an>

Title: Regarding opening of bank account of children and establishing child bank.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। आज देश में बच्चों के लिए बैंकों में खाता खोलने की सुविधा की जरूरत है। मेरे संसदीय क्षेत्र शिवहर के पूर्वी जिले में मेरे द्वारा गोद लिए गये ग्राम पंचायत घोड़ासहन (दक्षिण) में हजारों बच्चे वैसे हैं जिनके पास बचत करने के लिए तो कुछ धन है परन्तु अपना खाता किसी बैंक में नहीं रहने के कारण वे राशि बचत कर पाने में असमर्थ हैं। आज के बच्चे, कल के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे, इसके लिए आवश्यक है कि वे बैंकों के एकाउन्ट होल्डर बनें।

मुझे जो जानकारी उपलब्ध कराई गई है, उसके अनुसार देश के सभी अग्रणी बैंकों में दस वर्ष या उससे अधिक आयु वाले बच्चों के लिए उनका खाता खोलने का प्रावधान तो है परन्तु इस प्रावधान को गंभीरता से लागू नहीं किया जाता। बच्चों का बैंक एकाउन्ट हो, इसके लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किया जाता है। प्रचार-प्रसार या जागृति के अभाव के कारण क्या माता-पिता या बच्चे सभी इस सुविधा का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। विद्यालय के शिक्षकों, पंचायतीराज संस्थाओं के लोगों को एक अभियान के द्वारा चाईल्ड बैंक स्थापना में अपना योगदान देना पड़ेगा और माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के जन-धन योजना की तरह इसे भी बच्चे-बच्चे तक पहुंचाने की आवश्यकता है।जब प्रत्येक बच्चे का खाता खुल जाएगा तो स्वतः उनमें बचत के प्रति झुकाव होगा और वे अपने खाते में कुछ राशि रखेंगे जो बूंद-बूंद तालाब की तरह भरेगा। बचत की आदत डालने से बच्चे अपव्यय से बचेंगे। गलत राह पर जाने की संभावना कम रहेगी और यह कहावत सचमुच चरितार्थ होगी।

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात पूरी हो गयी है।

श्रीमती रमा देवी : कृपया दो लाइन और बोलने दिया जाए। यह कहावत सचमुच चरितार्थ होगी कि "सकल वस्तु संग्रह करे, एक दिन आवे काम।" मुसीबत के समय खाते में संचित किया धन उनके और उनके माता-पिता के काम आयेगा और हमारे देश के बैंकों को लाइफ-टाइम ग्राहक मिल जाएंगे। चाइल्ड बैंक स्थापना अभियान या बच्चों के खाता खोलने का अभियान, दोनों अभियानों की आवश्यकता तत्काल है और उसके दूरगामी प्रभाव होंगे, जिससे ग्रामीण भारत की गरीबी भी दूर होगी, बच्चों का भविष्य उज्जवल होगा। मुझे मालूम है कि कुछ संस्थाएं इस काम में लगी हुई हैं। जैसे दिल्ली में "चाइल्ड रिलीफ एंड यू" नामक संस्था इस दिशा में कुछ काम कर रही है। धन्यवाद।